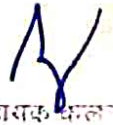


तारीख  
हुक्म

निहित है। अतः अन्वय 1 व 2 से तदनुसार  
 शिष्टीय या जल सहाय वेदादि से पूर्व नवीन वेदादि  
 दिया। व स्वयं के वजह से वेदादि से पूर्व नवीन वेदादि  
 करके पर आलाप है। अतः अन्वय निवेदन  
 के मानक को माना जाये। हमने बहुत पर  
 मतत किया। पत्रावली का सम्बन्ध शिष्टीय प्रकाश  
 दृष्टिमा आलाप, सुविधा प्रस्तुत व अप्रत्यक्ष शक्ति  
 शिष्टीय के पक्ष में बननी है। अतः प्रथम से  
 के रिप्लेज व छ मोला सहायकी की आ० १०  
 १०१, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७,  
 १०८, १०९, १३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १३९,  
 १४०, १४३, १४४, १४५, २२०, ३६७, ३६८, ३६९, ३७०  
 ३८१, ५१०, ५११, ५१२, ६५, ६६ कुल क्रि० ०२  
 कुल रकम १.५६ हे० के अन्वय किया। व २  
 के जल सहाय वेदादि से पूर्व नवीन वेदादि की  
 सहाय शक्ति बनाये रखे। पत्रावली के प्रत्येक  
 वेदादि लम्बे के रूप में आलाप प्रमाण दिया।

  
 सहायक जल सहाय  
 (उपखण्ड अधिकारी)  
 कपासन जिला-चित्तौड़गढ़